लापरवाही | गिरे खंभे और बंद स्ट्रीट लाइट से बढ़ा दुर्घटना का खतरा

अंधेरे में डूबा जबलपुर-नागपुर हाईवे

जबलपुर, नवभारत। जबलपुर शहर के कटंगी बाईपास से निकलने वाले जबलपुर-नागपुर हाईवे पर इन दिनों लापरवाही का बड़ा मामला सामने आया है। ओवरब्रिज के साइड रोड पर लगा स्ट्रीट लाइट का एक खंभा कई दिनों से गिरा पड़ा है, जबकि आसपास लगे कई अन्य खंभे चालू ही नहीं होते। रात होते ही पूरा इलाका घने अंधेरे में डूब जाता है, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह समस्या कई दिनों से बनी हुई है, लेकिन जिम्मेदार विभाग की ओर से अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। हाईवे जैसे व्यस्त मार्ग पर स्ट्रीट लाइट बंद रहना गंभीर सुरक्षा खतरे को जन्म दे रहा है।

हादसों का बढ़ा खतरा

यह हाईवे नागपुर की ओर जाने वाला प्रमुख मार्ग है, जहां रात के समय भारी और तेज रफ्तार वाहन लगातार गुजरते हैं। अंधेरे के कारण वाहन चालकों को आगे का रास्ता साफ दिखाई नहीं देता वही साइड रोड पर आने-जाने वाले लोगों को जोखिम उठाना पड़ता है और अचानक सामने आने वाले वाहन या पैदल यात्री से दुर्घटना का खतरा बढ़ जाता है। स्थानीय लोगों के अनुसार, कई बार वाहन चालक अचानक ब्रेक लगाने को मजबूर हो जाते हैं, जिससे बड़ी दुर्घटना होने की आशंका बनी रहती है।

अपराध का भी बढ़ा भय

रात के समय अंधेरा होने से आसपास के क्षेत्र में असुरक्षा की भावना बढ़ गई है। राहगीरों का कहना है कि अंधेरे का फायदा उठाकर चोर और लुटेरे सक्रिय हो सकते हैं। विशेषकर देर रात आने-जाने वाले लोगों और काम से लौटने वाले कर्मचारियों में डर का माहौल बना हुआ है। वही गिरे हुए खंभे और बंद पड़ी लाइटें प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रही हैं। हाईवे जैसी महत्वपूर्ण सड़क पर इस तरह की लापरवाही लोगों की जान जोखिम में डाल रही है।

लोगों की मांग

स्थानीय नागरिकों और राहगीरों ने प्रशासन से मांग की है कि गिरे हुए स्ट्रीट लाइट खंभे को तुरंत हटाया जाए सभी बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों को जल्द से जल्द चालू किया जाए वही नियमित निरीक्षण की व्यवस्था बनाई जाए यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो किसी बड़ी दुर्घटना या आपराधिक घटना से इनकार नहीं किया जा सकता। नागरिकों का कहना है कि समय रहते व्यवस्था सुधारना ही सबसे बड़ा समाधान है।

हडपसर-आसनसोल के मध्य स्पेशल ट्रेन

जबलपुर, नवभारत। रेलवे गर्मियों के मौसम में यात्रियों की बढ़ती मांग को देखते हुए और सुगम तथा सुविधाजनक यात्रा के लिए स्पेशल ट्रेनें चला रहा है। इसी कड़ी में पश्चिम मध्य रेलवे से होकर गाड़ी संख्या 01459 हडपसर-आसनसोल वन वे स्पेशल ट्रेन अपने गंतब्य को जाएगी। गाड़ी संख्या 01459 हडपसर-आसनसोल वन वे स्पेशल ट्रेन शुक्रवार 24 को हडपसर से सुबह 10 बजे प्रस्थान कर मार्ग से होते हुए इटारसी अगले दिन 00:45 बजे, जबलपुर 04:30 बजे, कटनी 06:15 बजे, सतना 07:50 बजे आगमन कर आसनसोल तीसरे दिन 02:00 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में 8 स्लीपर, 8 सामान्य श्रेणी, 2 थर्ड एसी, 1 सेकेंड एसी कम थर्ड एसी, 02 एसएलआरडी सहित कुल 21 कोच रहेंगे। रास्ते में यह गाड़ी दोनों दिशाओं में दौड कार्ड लाइन, अहिल्यानगर, बेलापुर, कोपरगांव, मनमाड, भुसावल, खण्डवा, इटारसी, जबलपुर, कटनी, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, भबुआ रोड, सासाराम, डेहरी आन सोन, अनुग्रह रोड, गया, कोडरमा, हजारीबाग, पारसनाथ, गोमो एवं प्रधानखूंटा स्टेशनों पर रुकेगी।

डेढ़ सौ फुटेज खंगाले, चार संदेही चिन्हित

सिविल इंजीनियर हत्याकांड शूटर पुलिस गिरफ्त से दूर

जबलपुर। रांझी थाना अंतर्गत बडा पत्थर नरसिंहनगर में गुरूवार सुबह बाइक सवार दो नकाबपोश बदमाशों ने एक सिविल इंजीनियर के सिर में गोली मारकर सरेराह हत्या कर दी थी। इस अंधी हत्या की गुत्थी सुलझाने क्राइम ब्रांच के साथ थाना पुलिस छानबीन में जुट गई है । सायबर सेल की भी मदद ली जा रही है। अब तक डेढ़ सौ सीसीटीव्ही कैमरों के फुटेज खंगाले जा चुके है। जिसके जरिए दो बाइकों से आए चार संदेहियों को को चिन्हित कर लिया गया है ।फुटेज के आधार पर उनकी तलाश की जा रही है ।हालांकि शूटर अब तक पुलिस गिरफ्त से दूर है। जिनकी तलाश में संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है।

विदित हो कि क्लीरेंस एटकिंस 39 वर्ष निवासी बड़कू का बाड़ा रांझी का सिविल इंजीनियर था। गुरूवार सुबह वे अपने 5 वर्षीय बेटे को स्कूल छोडकर वापस अपनी मोटर सायकिल से आ रहा था सुबह 8-30 बजे जैसे ही बडा पत्थर नरसिंह नगर में पहुंचा तभी एक मोटर सायकिल पर 2 अज्ञात लोग आये एवं क्लीरेंस एटकिंस की ओर बंदूक तानी और फायर कर दिए। बदमाशों ने बेहद करीब से निशाना साधते हुए फायरिंग की, जिसके कारण गोली सीधे सिर में जा धंसी थी। मेडिकल में इलाज के दौरान दोपहर तीन बजे एटकिंस ने दम तोड़ दिया था।

घर से स्कूल तक रेकी गलियों से भागे

पुलिस ने सीसीटीव्ही कैमरों को खंगाला। जिसमें पता चला कि आरोपियों से स्कूल से घर तक के रास्ते पर रैकी थी। इसके बाद गोलीकांड को अंजाम देने के बाद गलियों से फरार हो गए। दो बाइकों पर सवार चार लोग चिन्हित किए गए है। जिनकी पुलिस तलाश कर रही है ।

पार्टनरशिप-केस वापिस लेने बना रहे थे दबाव मिल रही थी धमकियां

मृतक का चचेरे भाई रोनाल्डो ने बताया कि भाई ने छत्तीसगढ़ रायपुर में एक प्रॉपर्टी खरीदी थी ।जिसमें प्रिंस पार्टनर बनना चाहता था जबकि जमीन भाई ने अपने पैसों से खरीदी थी। प्रिंस लगातार पार्टनरशिप का दबाव बना भाई को परेशान कर रहा था । इसी बीच छिंदवाड़ा निवासी रोहित और भानू ने उसी प्रॉपर्टी पर एग्रीमेंट कर लिया था। रोहित की बहन के नाम रजिस्ट्री भी कराई थी। जिस पर क्लीरेंस ने आपत्ति दर्ज कराई और मामला कोर्ट पहुंचा था। केस वापिस लेने भी भाई पर दबाव बनाया जा रहा था जान से मारने की धमकी दी जा रही थी।

चार टीमें कर रहीं जांच

रांझी सीएसपी सतीश साहू ने बताया कि अंधी हत्या की गुत्थी सुलझाने के लिए चार टीमें लगी हुई है। टीमें तफ्तीश, पतासाजी, विवेचना कर रही है। प्रारंभिक जांच में प्रॉपर्टी विवाद सामने आया है। संदेहियों को चिन्हित किया जा रहा है। पूछताछ चल रही है ।आरोपियों के पकड़े जाने के बाद पूरा मामला साफ हो सकेगा।

दूसरे दिन मिला तनु का शव, शवों से लिपटकर रोते बिलखते रहे परिजन

जबलपुर। बरगी थाना अंतर्गत सालीवाड़ा में नहर के तेज बहाव में बही सृष्टि उर्फ तनु निवासी सहजपुरी, बरगी का शव रेस्क्यू ऑपरेशन के दूसरे दिन शुक्रवार को बरामद कर लिया है। जबकि शीतल, सानिया का शव कल ही मिल गया था। तीनों नहाते समय डूबीं थी। पीएम के बाद शुक्रवार को शवों को परिजनों को सौंपा गया। परिजन शवों से लिपटकर रोते बिलखते रहे। उन्हें यकीन ही नहीं हो रहा था कि उनकी बेटियां अब इस दुनिया में नहीं रही। चीत्कार के बीच तीनों को अंतिम विदाई दी गई। पुलिस ने बताया कि 22 अप्रैल को सालीवाड़ा निवासी दीपक पटेल के घर शादी का रिसेप्शन था। पूरे घर में मेहमान थे और हंसी-खुशी का माहौल था। 23 अप्रैल की सुबह करीब 10 बजे परिवार की शीतल, सानिया और सृष्टि अन्य लोगों के साथ पास ही स्थित बड़ी नहर में नहाने गईं थीं। नहाते समय अचानक 10 वर्षीय सानिया का पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में डूबने लगी थी। जिसे बचाने के लिए 24 वर्षीय शीतल ने हाथ बढ़ाया, लेकिन पानी का बहाव इतना तेज था कि वह भी संभल नहीं पाई। दोनो को आंखों के सामने डूबता देख सृष्टि ने भी उन्हें बचाने के लिए नहर में छलांग लगा दी। देखते ही देखते तीनों बहनें पानी की लहरों में ओझल हो गईं थी। घटना की सूचना मिलते ही बरगी पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची थी गोताखोरों ने तुरंत तलाशी शुरू की। गुरुवार को कड़ी मशक्कत के बाद शीतल और सानिया के शव बरामद कर लिए गए थे, लेकिन सृष्टि का कोई सुराग नहीं मिला था। शुक्रवार को दोबारा शुरू हुए सर्च ऑपरेशन के बाद सृष्टि उर्फ तनु का शव सुबह सात बजे नहर से निकाल लिया गया। इस हृदयविदारक हादसे से जिस घर में कल तक खुशियों की गूंज आ रही थी, वहां सिर्फ सन्नाटा और अपनों को खोने का गम था। पीएम के बाद शीतल पटेल पिता संतोष पटेल (20) निवासी शास्त्री नगर, मेडिकल, तनु पटेल पिता बृजेश पटेल (18) निवासी कोसमघाट, गौर, सानिया पटेल पिता नरेश पटेल (8) निवासी कटिया घाट, गौर का शव परिजनों को सौंप दिया गया था।

विद्युत पोल से नीचे गिरे कर्मचारी की मौत

सुधार कार्य के दौरान हुआ हादसा

जबलपुर। गोहलपुर थाना अंतर्गत इको सिटी में शुक्रवार दोपहर विद्युत पोल से एक कर्मचारी अचानक नीचे गिर गया ।हादसे में उसे गंभीर चोटें आ गई जिसे आनन-फानन में उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया जहां उसे डॉक्टर ने परीक्षण उपरांत मृत घोषित कर दिया गया है ।हादसा उस वक्त हुआ जब क्षेत्र में ट्रांसफार्मर में लगी एलटी केबल के जल जाने पर सुधार काम किया जा रहा था इस दौरान पोल पर चढ़कर सुधार कार्य कर रहा आउटसोर्स कर्मी 10 फीट की ऊंचाई से जमीन पर आ गिर गया था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर छानबीन शुरू कर दी है।

जानकारी के मुताबिक रंजीत कोरी पिता लल्लू कोरी 50 वर्षीय निवासी अमखेरा का पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के जबलपुर सिटी सर्किल के अंतर्गत उत्तर संभाग के अधारताल शिकायत केंद्र में आउटसोर्स कर्मी था। इको सिटी में लगे ट्रांसफार्मर में लगी एलटी केबल के जल गई थी। रंजीत कोरी को जूनियर इंजीनियर पुष्पजीत सिंह धुर्वे ने सुधार का कार्य सौंपा था। सुधार कार्य के पूर्व जूनियर इंजीनियर के द्वारा विद्युत आपूर्ति बंद कर दी गई थी। जेई के आदेश पर शुक्रवार दोपहर लगभग 1:30 बजे पोल पर चढक़र सुधार कार्य कर रहा आउटसोर्स कर्मी रंजीत कोरी अचानक 10 फीट की ऊंचाई से जमीन पर आ गिरा, जिससे उसके सिर एवं हाथ में गंभीर चोट पहुंची और अत्याधिक खून बह गया। मौके पर मौजूद सहयोगियों के द्वारा उसे तत्काल मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सक ने जांच के बाद रंजीत कोरी को मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है ।हादसा कैसे और किन परिस्थितियों में हुआ इसका पता लगया जा रहा है।

दोषियों पर हो कार्रवाई

संघ के केएन लोखंडे, एसके मौर्य, एसके सिंह, दशरथ शर्मा, शशि उपाध्याय आदि ने पूर्व क्षेत्र कंपनी प्रबंधन से मांग की है कि आउटसोर्स कर्मी के परिवार को सहायता राशि दी जाये एवं हादसे की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्यवाही की जाये।

सुरक्षा को लेकर होने वाली बैठक निरस्त

मध्य प्रदेश विद्युत मंडल तकनीकी कर्मचारी संघ के प्रांतीय महासचिव हरेंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि उत्तर संभाग के कार्यपालन अभियंता विकास सिंह के द्वारा शुक्रवार की शाम 4 बजे सुरक्षा उपकरण के उपयोग को लेकर लाइन कर्मचारियों की बैठक लेने वाले थे, लेकिन उसके पहले ही हादसा हो गया और बैठक निरस्त कर दी गई।

प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को सिखाई जा रही जनगणना कार्य की बारीकियां

▸ अनुभवी विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण

जबलपुर। प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को जनगणना कार्य की बारीकिया मास्टर ट्रेनर्स और सहायक प्राध्यापक सिखा रहे है। दरअसल नगर निगम के 16 संभागों के लिए जनगणना कार्य के लिए 860 प्रगणकों और पर्यवेक्षकों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 23 अप्रैल 2026 से सफलतापूर्वक शुरू हो चुका है। यह प्रशिक्षण आदर्श औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) मढोताल के 20 विभिन्न कक्षों में आयोजित किया जा रहा है, जहाँ सभी आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध हैं। कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह और निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के मार्गदर्शन में इस पूरे कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है। जनगणना कार्य की बारीकियों को सिखाने के लिए मास्टर ट्रेनर्स और सहायक प्राध्यापकों की टीम तैनात की गई है। इसमें प्रो. चंद्रशेखर राजहंस, मनोज नथानी और जनगणना निदेशालय से आए विशेषज्ञ शामिल हैं। प्रशिक्षण की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए नगर जनगणना अधिकारी मनोज श्रीवास्तव एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा निरंतर निरीक्षण किया जा रहा है। कार्य की महत्ता को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह सख्त है। प्रशिक्षण से अनुपस्थित रहने वाले कर्मियों पर तुरंत संज्ञान लिया गया है ताकि राष्ट्रीय महत्व के इस कार्य में कोई बाधा न आए और कार्य पूरी गंभीरता से संपन्न हो। यह प्रशिक्षण 25 अप्रैल 2026 तक चलेगा, जिसके बाद प्रशिक्षित टीम शहर के विभिन्न क्षेत्रों में गणना कार्य के लिए पूरी तरह तैयार होगी।

वित्त मंत्रालय MINISTRY OF FINANCE

तिमाही रिटर्न मासिक भुगतान योजना

(क्यू.आर.एम.पी)

वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान ₹ 5 करोड़ तक के सकल वार्षिक टर्नओवर वाले **छोटे करदाताओं के लिए व्यापार सरल बनाने की दिशा में कदम**

क्यू.आर.एम.पी योजना का लाभ उठाने के इच्छुक पात्र करदाता जीएसटी पोर्टल (www.gst.gov.in) पर निम्न प्रक्रिया द्वारा इस योजना का विकल्प चुन सकते हैं:

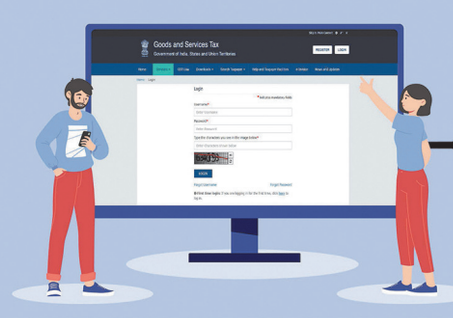

करदाता इंटरफेस पर लॉग इन करें

Services>Returns>Opt-in for quarterly return पर जाएं

वर्तमान में क्यू.आर.एम.पी योजना का लाभ उठा रहे करदाताओं को योजना के लिए पुनः आवेदन करने की आवश्यकता नहीं है

लाभ

- तिमाही में सिर्फ एक बार जी.एस.टी. स्टेटमेंट/रिटर्न फॉर्म, जी.एस.टी.आर.-1 और फॉर्म जी.एस.टी.आर.-3बी में फाइल करें
- योजना को अपनाना/छोड़ना सरल
- फ्लेक्सिबल इनवॉयस दाखिल करने की सुविधा का लाभ उठाएं
- हर तिमाही में एक बार ITC और कर का स्वयं-मूल्यांकन

तिमाही के पहले दो महीनों में फिक्स्ड सम विधि (पहले से भरा हुआ चालान) अथवा स्वयं मूल्यांकन विधि (ITC को सम्मिलित करके वास्तविक करदेयता) द्वारा मासिक कर का सरलतापूर्वक भुगतान करने की सुविधा

वित्तीय वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही से क्यू.आर.एम.पी योजना का विकल्प चुनने की अंतिम तिथि 30 अप्रैल, 2026

पात्र पंजीकृत व्यक्ति किसी तिमाही के लिए योजना का विकल्प, उसकी पिछली तिमाही के दूसरे महीने के पहले दिन से लेकर तिमाही के पहले महीने के अंतिम दिन तक चुन सकता है

अधिक जानकारी के लिए कृपया अधिसूचना सं. 81 से 85/2020-केंद्रीय कर और परिपत्र सं. 143/13/2020-जीएसटी दिनांक 10.11.2020 को देखें

क्यू.आर.एम.पी योजना के बारे में अधिक जानकारी के लिए कृपया स्कैन करें

जीएसटी रिटर्न दाखिल करना: तीव्र, आसान और सरलीकृत

@cbicindia @cbic_india @cbicindia @CBICINDIA @CBIC india

CBC 15502/13/0001/2627